PAPER-II
RAJASTHANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

D	4	3	1	1

Time : **$1^{1}/_{4}$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ⬤ (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

RAJASTHANI
राजस्थानी
Paper – II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** multiple-choice questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** of them.

नोट : इण प्रश्नपत्र में **पचास** (50) घण विकल्पीय प्रश्न है । हरेक प्रश्न सारू **दोय** (2) अंक निर्धारित है । **सगळा** सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है ।

1. नीचै लिखी किसे क्रम री ध्वनियां ताळव्य है ?

(A) क्, ख्, ग्, घ् ।

(B) च, छ, ज, झ ।

(C) प्, फ्, ब्, भ ।

(D) त्, थ्, द्, ध् ।

2. किसे क्रम रा सगळा ई शब्द पुल्लिंग है ?

(A) बींद, छोरौ, सूर, मिरग

(B) मिनख, बकरौ, भीड़, जीभ

(C) कान, नाक, होंठ, आंख

(D) घी, पांणी, दही, खीचड़ी

3. राजस्थानी सबद कोश रौ निर्माण करण वाळां रौ नांव है

(A) एल.पी. टेसीटरी

(B) रावत सारस्वत

(C) अगरचन्द नाहटा

(D) सीताराम लाळस

4. "मेवा तजिया महमहण, दुरजोधन रा देख ।
केळा छोत विसेख, जायविदुर घर जीमिया ।"
ऊपर लिख्यौ छंद है –

(A) दूहो

(B) सोरठियो दूहो

(C) तूंबेरी दूहो

(D) सांकळियौ दूहो

5. "धर ऊजळ धोळी धजा, निरमळ ऊजळ नीर ।
राजा ऊजळ रांमदे, परजा ऊजळ पीर ।।"
इण दूहे मांय कुणसौ वैणसगाई अलंकार है ?

(A) आदिमेळ

(B) मध्यमेळ

(C) अन्तमेळ

(D) समवैणसगाई

6. 'रणमल छंद रौ' रचनाकार है

(A) शार्ङ्गधर

(B) श्रीधर व्यास

(C) असाइत

(D) गाडण पसाईत

7. बादर ढाढी री रचना रौ नांव है

(A) वीरमांण

(B) सूरजप्रकाश

(C) बिन्है रासौ

(D) हम्मीर रासौ

8. 'रघुनाथरूपक गीतां रौ अर रघुवरजसप्रकास' दोनू ग्रंथ है

(A) दोनूं' ई ग्रंथ चम्पूकाव्य है ।

(B) दोनूं' ई ग्रंथ लक्षण ग्रंथ है ।

(C) अेक ग्रंथ लक्षण ग्रंथ अर दूजौ ऐतिहासिक ग्रंथ है ।

(D) अेक महाकाव्य अर दूजौ खण्ड काव्य है ।

9. 'वा़गड़ री मीरां' रै नांव सूं चाती है

(A) सहजोबाई

(B) दयाबाई

(C) चन्द्रसखी

(D) गवरीबाई

10. जैन साहित्य परम्परा री विधा है

(A) विगत

(B) बालावबोध

(C) वा़त

(D) ख्यात

11. 'कान्हड़दे प्रबन्ध रै' मांय किसै जुद्ध रौ वरणाव है ?

(A) जालोर रौ जुद्ध

(B) हळदीघाटी रौ जुद्ध

(C) खानवा रौ जुद्ध

(D) पानीपत रौ जुद्ध

12. बारह महीणा री रितु परिवर्तन अर विरहभाव नै उजागर करण वाळी रचना रौ नांव है

(A) फागु

(B) रासो

(C) बारहमासा

(D) पवाड़ा

13. वीसलदेव रासो रचना है

(A) वीर रस प्रधान

(B) करुण रस प्रधान

(C) प्रेमाख्यानपरक

(D) शान्त रस प्रधान

14. इणां मांय कुणसी रचना पृथ्वीराज राठौड़ कृत नीं है ?

(A) वेलि क्रिसण रुकमणी री

(B) गंगा लहरी

(C) दसम भागवत रा दूहा

(D) महादेव पार्वती री वेलि

15. किण कवि रा दूहा 'राजिया रा सोरठा' नांव सूं जाणीजै ?

(A) हुक्मीचंद खिड़िया

(B) चानण खिड़िया

(C) किरपाराम खिड़िया

(D) देवीदास खिड़िया

16. 'पुराणी राजस्थानी' पोथी रा मूल लेखक रौ नांव है

(A) रामकर्ण आसोण

(B) एल.पी. तेस्सितोरी

(C) डॉ. सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या

(D) नरोत्तमदास स्वामी

17. राजस्थानी भाषा, साहित्य अर संस्कृति अकादमी, बीकानेर रा संस्थापक अध्यक्ष हा

(A) पूनमचन्द बिश्नोई

(B) डॉ. सोनाराम बिश्नोई

(C) डॉ. देव कोठारी

(D) सौभाग्यसिंह शेखावत

18. 'जागती जोत' मासिक पत्रिका रौ प्रकासण करै

(A) राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

(B) राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर

(C) राजस्थानी शोध संस्थान चौपासणी, जोधपुर

(D) राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

19. राजस्थानी री प्रथम काव्य-रचना मानीजै

(A) रणमल छंद

(B) ढोला मारू रा दूहा

(C) वीरमायण

(D) भरतेश्वर बाहुबली घोर

20. राजस्थानी रौ पैंलौ उपन्यास है

(A) धोरां रौ धोरी

(B) कनक सुन्दर

(C) चम्पा

(D) आभै पटकी

21. इणा मांय सूं किसौ नाटक शिवचन्द्र भरतिया रौ लिख्यौड़ौ नीं है ?

(A) केसर विलास

(B) फाटका जंजाळ

(C) कलकतिया बाबू

(D) बुढ़ापा की सगाई

22. 'सबड़का' रेखाचित्र संग्रै रा रचयिता है

(A) श्रीलालनथमल जोशी

(B) शिवराज छंगाणी

(C) ब्रजनारायण पुरोहित

(D) मुरलीधर व्यास

23. इणा मांय सूं कुण सी काव्यकृति खेतदान चारण री लिख्योड़ी है ?

(A) बादळी

(B) दीवा कांपै क्यूं

(C) चेत मानखा

(D) कळायण

24. कुणसौ मेळौ कार्तिक-पूर्णिमा रै दिन भर्‌यौ जावै ?

(A) रामदेवरा रौ मेळौ

(B) पुष्कर रौ मेळौ

(C) बेणेश्वर रौ मेळौ

(D) केसरियाजी रौ मेळौ

25. गणगौर रौ तिंवार मनायौ जावै

(A) फागण रै महिणै में

(B) चेत में

(C) सावण में

(D) आषाढ़ में

26. जळवा पूजण रौ संस्कार कद मनायौ जावै ?

(A) टाबर रै जलम-पछै

(B) जनेऊ संस्कार रै समै

(C) ब्याव रै मोकै

(D) मिरतु रै पछै

27. '<u>मेहाई</u>' विरद किण लोकदेवी रौ है ?

(A) तनोटराय रौ

(B) करणीजी रौ

(C) हिंगळाज रौ

(D) आवड़ देवी रौ

28. 'महपन में पय राम रै ।'

ऊपर लिख्यै चरण मांय किसौ काव्य दोष है ?

(A) नाळछेद

(B) छबकाळ

(C) अमंगळ

(D) पखतूट

29. 'बरसां रा डीगोड़ा डूंगर लांघियां' कविता संग्रै रा रचयिता है

(A) सत्यप्रकाश जोशी

(B) डॉ. नारायणसिंह भाटी

(C) रेवतदान चारण

(D) कैलाशदान उज्ज्वल

30. रामचरणजी रौ सम्बन्ध है

(A) दादू सम्प्रदाय सूं

(B) निरंजनी सम्प्रदाय

(C) रामस्नेही सम्प्रदाय

(D) लालदासी सम्प्रदाय

31. संत जसनाथ जी रौ जलम हुयौ

(A) पीपासर में

(B) कतरियासर में

(C) शाहपुरा में

(D) नरायणा में

32. "पहिलोह मुख राग प्रगट थियौ प्राची,

अरुण कि अरुणोद अम्बर ।

पेखे किरि जाग्या पयोहर,

संज्या वंदण रिखेसर ।।"

ऊपर लिख्ये दोहले मांय क़िसौ अलंकार है ?

(A) यमक

(B) श्लेष

(C) उत्प्रेक्षा

(D) वक्रोक्ति

33. राजस्थान मांय घण चावा-ठावा सुगनी (शकुन विचारक) हुया

(A) पाबूजी राठौड़

(B) हड़बूजी साँखला

(C) गोगोजी चौहाण

(D) रावळ मालजी

34. 'लीलटांस' काव्यकृति रा रचयिता है

(A) नानूराम संस्कर्ता

(B) कन्हैयालाल सेठिया

(C) कानदांन

(D) मनुज देपावत

35. आहाड़ सभ्यता रा अवशेष मिळै

(A) उदयपुर में

(B) नागौर में

(C) झालरा पाटण में

(D) अलवर में

36. 'बणीठणी' चित्र शैली चावी है

(A) नाथद्वारा री

(B) बूंदी री

(C) किशनगढ़ री

(D) जयपुर री

37. जम्मा-जागरणां मांय 'सोरठ' राग गाई जावै

(A) सुरुआत में

(B) सोपो पड़ियां पछै

(C) प्रभातरी वेळां

(D) आखीर में

38. 'कुअे भांग पड़गी' रौ अरथ है

(A) कुआ रौ पाणी गंदो हूवणो

(B) पाणी रौ सवाद खराब हूवणो

(C) सगळां री बुद्धि भ्रष्ट हूवणी

(D) पाणी रौ रंग बदळ जावणो

39. नीचौ लिख्योड़ा ग्रंथां में सूं किसौ ग्रंथ लक्षण ग्रंथ नी है ?

(A) रघुवरजसप्रकास

(B) रघुनाथरूपकगीतां रौ

(C) पिंगल शिरोमणी

(D) विद्याविलास चौपाई

40. मीरांबाई री भक्ति रौ सरूप है

(A) माधुर्य भाव री

(B) नवधा भक्ति

(C) सखा भाव री

(D) दास्य भाव री

41. राणा कुंभा रा भींतड़ा री भाँत गीतड़ा (गीत) किसा जैन कवि रा चावा है ?

(A) जिनहर्ष

(B) लब्धोदय

(C) समयसुन्दर

(D) हेमरत्न

42. आधुनिक राजस्थानी गद्य रै विकास में लूंठौ सहयोग देवण सारू राजस्थानी भाषा रा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र कहीजै

(A) सूर्यशंकर पारीक

(B) अन्नाराम सुदामा

(C) मुरलीधर व्यास

(D) शिवचन्द्र भरतिया

43. "मुड़जा रे कान्हा फौजां नै पाछी मोड़ले" इण काव्य ओळी मे कुण-किणनै संबोधित करै ?

(A) उमादे-मालदेव नै

(B) मीरां भोजराज नै

(C) राधा-कृष्ण नै

(D) द्रोपदी कृष्ण नै

44. "मणियारी जा री सखी, अब न हवेली आव ।
पीव मुवा घर आविया, विधवा किसौ बणाव ।।"

ऊपर लिख्यौ दूहो किण काव्यकृति सूं लियौ है ?

(A) राउ जैतसी रो छंद

(B) करुण बहतरी

(C) राजिया रा दूहा

(D) वीर सतसई

45. किस भाषा राजस्थानी रै घणी नेड़ी है ?

(A) मराठी

(B) गुजराती

(C) ब्रजभाषा

(D) सिंधी

46. 'ढोला-मारू रा दूहा' रै नायक 'ढोला' रौ नांव हो

(A) दुल्हाराम

(B) साल्हकुमार

(C) धूहड़सी

(D) अजयपाल

47. राजस्थानी नाटक 'ख्याल भारमली' रा लेखक है

(A) नथमल जोशी

(B) रावत सारस्वत

(C) चन्द्रसिंह

(D) हमीदुल्ला

48. नीचै लिख्या में सूं किसो शब्द काव्य दोष है ?

(A) साणोर

(B) नाराच

(C) पांगळौ

(D) सावझड़ो

49. 'वीसलदेव रासो' रौ रचनाकार है

(A) नल्लसिंह

(B) विजयपाल

(C) नरपति नाल्ह

(D) दलपतविजय

50. "मिनख री ऊमर सार्थक बा है, जिकी मानखै रै काम आवै । आपरै भोग-विलास खातर जे कोई किरोड़ां री मत्ता भी जोड़ै तो बो बड़ाई रै बदळै निन्दा रो ई ठांव है, क्यूं कै जिकौ धन मानखै रै काम आवतो, उण माथै बो सरप बण नै बैठग्यो । इसा आधमी चावै थोड़ा जीवो, चावै घणा, बांनै जमानै रै दुख-दरद सूं कोई सरोकार कोनी, बांरौ पाड़ौसी इकांतरै इग्यारस करै तो बै समझै पेट री शुद्धि हुवै, असवाड़ै-पसवाड़ै जे मानखो कस्टां में किलबिलावै, तो बां नै बेरो ई कोनी । बै आपरी मौज में मस्त है । बै खुद धापर माल-मलीदा जीम लिया, तो सोचै सगळो संसार छकर जीम लियो । पण इसा मिनखां रो धरती माथै अवतार जलमभोम नै भार मारण खातर ई हुवै ।"

ऊपर लिख्यै गद्यांश सूं ओ ओपतौ संदेश मिळै'क –

(A) वौ मिनख जमारौ सार्थक है जिको मानव-समाज रै काम आवै ।

(B) स्वारथी मिनख धरती माथै भार है ।

(C) कमायो धन परोपकार में लागणौ चाईजै ।

(D) कंजूस मिनख धन भेळौ कर'र उण माथै सरप बठा'र बैठे ।

Space For Rough Work